हिन्दी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
पी–एच0 डी0– पाठ्यक्रम
प्रश्नपत्र : द्वितीय
HNR-112 साहित्यानुवाद

1. अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप एवं सिद्धान्त

1.1 अनुवादः परिभाषा एवं स्वरूप (भाषिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य)
1.2 मानविकी अनुवाद
1.3 अनुवाद के विविध प्रकार
1.4 हिन्दी साहित्य : अनुवाद परम्परा

2. अनुवाद के सिद्धान्त और साहित्य का अनुवाद

2.1 अनुवाद के सिद्धान्त– भाषा, व्याकरण और अर्थ–विज्ञान
2.2 सर्जनात्मकता और अनुवाद
2.3 साहित्य के अनुवाद की प्रक्रिया और उसके विभिन्न चरणों का विश्लेषण
2.4 साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ

3 अनुवाद और साहित्य की विभिन्न विधाएँ

3.1 काव्यानुवाद और उसकी समस्याएँ
3.2 कथा–साहित्य का अनुवाद और उसकी समस्याएँ
3.3 मानविकी अनुवाद और समस्याएँ
3.4 साहित्य के अनुवाद में मुहावरे और लोकोक्तियाँ

4. अनूदित साहित्य का मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण

4.1 मूल्यांकन से तात्पर्य
4.2 मूल्यांकन एवं पुनरीक्षण का वैज्ञानिक आधार और व्यावहारिक पक्ष
4.3 साहित्यानुवाद के मूल्यांकन की समस्याएँ
4.4. गद्य की विभिन्न विधाओं के अनुवाद का पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

सहायक ग्रन्थ :

1. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान – संपादक – नगेन्द्र
3. द नेचर ऑफ़ ट्रांसलेशन – जेम्स होम्स
6. अनुवाद सैद्धान्तिकी – प्रदीप सक्सेना
7. लिंग्विस्टिक थ्योरी ऑफ़ ट्रांसलेशन– जे. सी. कैटफोर्ड
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी में अनुवाद की भूमिका– आरिफ़ नज़ीर
9. अनुवाद दर्शन – प्रदीप सक्सेना
10. हिन्दी का प्रयोजनमूलक स्वरूप – कैलाश चन्द्र भाटिया

———————————

ANNEXURE-II

हिन्दी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
पी–एच0 डी0– पाठ्यक्रम
HNR-101 प्रश्नपत्र प्रथम
शोध–प्रविधि एवं कम्प्यूटर प्रायोगिकी

1. शोध : अवधारणा और विकास

1.1 शोध की अवधारणा

1.2 हिन्दी : शोध का विकास

1.3 प्रमुख प्रकार : शुद्ध शोध (प्योर रिसर्च) और व्यावहारिक या क्रियात्मक (अप्लाइड)

1.4 प्रमुख शोध–दृष्टियाँ : ऐतिहासिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, सौंदर्यशास्त्रीय, सांस्कृतिक एवं भाषा–वैज्ञानिक

1.5 शोध और आलोचना

2. शोध प्रविधि

2.1 शोध प्रविधि के प्रकार–प्रायोगिक, सर्वेक्षणात्मक और अनुशीलनात्मक

2.2 शोध पद्धतियाँ–आगमन, निगमन और मिश्रित

2.3 शोध प्रक्रिया–विषय–परिकल्पना, विषय–परिसीमन, सामग्री–संकलन, मूल एवं द्वैतीयक स्रोत की पहचान, संदर्भ–ग्रहण, तथ्य–विश्लेषण, स्थापना

2.4 पाठालोचन : पाठ–चयन, पाठ–विकृति, पाठ–लोप, पाठ–आगम, पाठ–भ्रम, पाठ–कल्पना और पाठ–निर्धारण

3. मूल प्रबन्ध एवं प्रबन्ध–सारलेखन

3.1 प्रबन्ध–लेखन

(क) भूमिका भाग : पूर्ववर्ती शोध कार्यों का सिंहावलोकन, मौलिक अवदान का उल्लेख, कृतज्ञता–ज्ञापन।

(ख) विषय–प्रतिपादन : परिच्छेद या अध्याय का शीर्षक युक्त विभाजन।
प्रतिपाद्य का संदर्भित प्रस्तुतीकरण, पिष्टपेषण–दोष का परिहार, आवश्यक पाद–टिप्पणी, संदर्भ–उल्लेख स्वाभिमतयुक्त उपसंहार

(ग) उपसंहार : भाषा–शिल्प के प्रति सजगता, परिशिष्ट, अकारादि–क्रमानुसार सहायकग्रन्थ–सूची।

3.2 प्रबन्धसार–लेखन : लघु भूमिका, प्रबन्धाध्यायों का संक्षेपण, मौलिक उद्‌भावनाओं का स्पष्ट उल्लेख, उपसंहार (कार्य की सार्थकता का ज्ञापन)

4 शोध और कम्प्यूटर प्रायोगिकी

4.1 शोध में कम्प्यूटर की उपयोगिता

4.2 कम्प्यूटर प्रायोगिकी

सहायक ग्रन्थ–

1. अनुसंधान का स्वरूप – डा0 सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – डा0 सावित्री सिन्हा, डा0 विजयेन्द्र स्नातक
3. अनुसंधान और आलोचना – डा0 नगेन्द्र

4.	हिन्दी के स्वीकृत शोधप्रबन्ध	– डा0 उदयभानु सिंह
5.	शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका	– डा0 सरनाम सिंह शर्मा
6.	शोध प्रविधि	– डा0 विनय मोहन शर्मा
7.	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	– डा0 चन्द्रभान रावत
8.	शोध और समीक्षा	– डा0 सुरेशचन्द्र गुप्त
9.	शोध और समीक्षा	– डा0 रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
10.	हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप	– डा0 भ0 ह0 राजूरकर
11.	हिन्दी अनुसंधान के आयाम	– डा0 भ0 ह0 राजूरकर, डा0 राजमल बोरा
12.	अलखबानी	– सं0 डा0 रिज़वी तथा डा0 शैलेश ज़ैदी
13.	भक्तमाल : पाठानुशीलन एवं विवेचन	– डा0 नगेन्द्र झा

पी-एच0डी0
वैकल्पिक प्रश्नपत्र HNR-111
हिंदी भाषा और उसकी संरचना

इकाई 1 हिंदी भाषा : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

1.1 अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिंदी
1.2 हिंदी ध्वनियों का विकासात्मक अध्ययन
1.3 संयोगात्मक और वियोगात्मकता से अभिप्राय और हिंदी भाषा की प्रकृति
1.4 हिंदी भाषा की प्रमुख व्याकरणिक विशेषताएँ
1.5 हिंदी भाषा की प्रयुक्तियों का सामान्य परिचय

इकाई 2 हिंदी भाषा की शब्द-संरचना

2.1 हिंदी की शब्द-रचना : रूढ़, यौगिक, योगरूढ़
2.2 संधि, समास; उपसर्ग, प्रत्यय (संस्कृत, फ़ारसी, अरबी और हिंदी)
2.3 अर्थ-विकास
2.4 आगत शब्दावली और कोड-मिश्रण
2.5 विभिन्न प्रयुक्तियों के लिए शब्द-निर्माण : दशा और दिशा
2.6 शब्द और संस्कृति

इकाई 3 हिंदी भाषा की वाक्य-संरचना

3.1 पद, पदक्रम, पदान्वय
3.2 सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य
3.3 तान, अनुतान, लय, स्वराघात, बलाघात
3.4 प्रभावी वाक्य-रचना और मुहावरे
3.5 विशिष्ट सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ और वाक्य-गठन

इकाई 4 हिंदी भाषा : व्यावहारिक प्रयोग

4.1 कथात्मक, वर्णनात्मक, विवेचनात्मक, आलोचनात्मक, गवेषणात्मक एवं सर्जनात्मक भाषा
4.2 काव्य-भाषा और गद्य-भाषा
4.3 आलोचना की भाषा (व्यावहारिक प्रयोग)
4.4 शोध की भाषा (व्यावहारिक प्रयोग)

एम0ए0 (तृतीय सेमेस्टर) हिन्दी
चतुर्थ प्रश्न-पत्र. HNM-9004
हिंदी-आलोचना

क्रेडिट : 04
पूर्णांक : 100
सेशनल : 25
सेमेस्टर : 75

इकाई 1 हिंदी आलोचना : पूर्व शुक्लयुग

1.1 हिंदी नवजागरण और खड़ी बोली गद्य की प्रतिष्ठा
1.2 गद्य की विभिन्न विधाएँ और हिंदी आलोचना
1.3 भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनके लेखक मंडल का हिंदी आलोचना के क्षेत्र में योगदान
1.4 द्विवेदी युगीन हिंदी आलोचना : महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं मिश्र बंधु

इकाई 2 शुक्ल युगीन हिंदी आलोचना

2.1 आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का व्यक्तित्व और कृतित्व : सामान्य परिचय
2.2 आचार्य रामचंद्र शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत
2.3 आचार्य शुक्ल की व्यावहारिक समीक्षा - 'गोस्वामी तुलसीदास', भ्रमरगीत सार की भूमिका
2.4 हिंदी आलोचना को रामचन्द्र शुक्ल की देन

इकाई 3 शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना

3.1 छायावाद और आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी की आलोचना दृष्टि
3.2 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की इतिहास दृष्टि
3.3 रस सिद्धांत का पुनर्मूल्यांकन और डा. नगेन्द्र की आलोचना दृष्टि
3.4 मार्क्सवादी समीक्षा का उदय और डा. रामविलास शर्मा

इकाई 4 प्रमुख अवधारणाएँ एवं बीज शब्द

4.1 मनोविश्लेषणवाद और हिंदी आलोचना-इलाचन्द्र जोशी और डा. देवराज के विशेष संदर्भ में
4.2 नयी कविता के संदर्भ में लक्ष्मीकांत वर्मा और डा. नामवर सिंह की आलोचना दृष्टि
4.3 नयी कविता के सौंदर्यशास्त्रीय प्रश्न : अज्ञेय और मुक्तिबोध का आलोचनात्मक विमर्श
4.3 प्रमुख अवधारणाएँ - आधुनिकता, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकता

सहायक ग्रंथ

आचार्य शुक्ल : चिंतामणि-1,2,3,4 और रसमीमांसा हिंदी साहित्य का इतिहास
आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका, भाषा साहित्य और देश
रामविलास शर्मा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी-आलोचना, परंपरा का मूल्यांकन, नयी कविता और अस्तित्ववाद
नामवर सिंह : इतिहास औरआलोचना, कविता के नये प्रतिमान
विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी-आलोचना
नंद किशोर नवल : हिन्दी-आलोचना का विकास
मैनेजर पाण्डेय : साहित्य और इतिहास-दृष्टि
रामचंद्र तिवारी : हिंदी का गद्य-साहित्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी गद्य :: विन्यास और विकास
मुद्राराक्षस : आलोचना का समाज शास्त्र
भरत सिंह : प्रतिश्रुति और परिवर्तन
प्रदीप सक्सेना : 1857, और भारतीय नवजागरण
रमेश रावत : मुक्तिबोध की आलोचना-प्रक्रिया

Annexure-II

हिन्दी विभाग
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़
पी–एच0 डी0– पाठ्यक्रम
HNR-101 प्रश्नपत्र प्रथम
शोध–प्रविधि एवं कम्प्यूटर प्रायोगिकी

1. शोध : अवधारणा और विकास

1.1 शोध की अवधारणा

1.2 हिन्दी : शोध का विकास

1.3 प्रमुख प्रकार : शुद्ध शोध (प्योर रिसर्च) और व्यावहारिक या क्रियात्मक (अप्लाइड)

1.4 प्रमुख शोध–दृष्टियाँ : ऐतिहासिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, सौंदर्यशास्त्रीय, सांस्कृतिक एवं भाषा–वैज्ञानिक

1.5 शोध और आलोचना

2. शोध प्रविधि

2.1 शोध प्रविधि के प्रकार–प्रायोगिक, सर्वेक्षणात्मक और अनुशीलनात्मक

2.2 शोध पद्धतियाँ–आगमन, निगमन और मिश्रित

2.3 शोध प्रक्रिया–विषय–परिकल्पना, विषय–परिसीमन, सामग्री–संकलन, मूल एवं द्वैतीयक स्रोत की पहचान, संदर्भ–ग्रहण, तथ्य–विश्लेषण, स्थापना

2.4 पाठालोचन : पाठ–चयन, पाठ–विकृति, पाठ–लोप, पाठ–आगम, पाठ–भ्रम, पाठ–कल्पना और पाठ–निर्धारण

3. मूल प्रबन्ध एवं प्रबन्ध–सारलेखन

3.1 प्रबन्ध–लेखन

(क) भूमिका भाग : पूर्ववर्ती शोध कार्यों का सिंहावलोकन, मौलिक अवदान का उल्लेख, कृतज्ञता–ज्ञापन। शोध सामग्री : नैतिक एवं वैधानिक उपयोग।

(ख) विषय–प्रतिपादन : परिच्छेद या अध्याय का शीर्षक युक्त विभाजन। प्रतिपाद्य का संदर्भित प्रस्तुतीकरण, पिष्टपेषण–दोष का परिहार, आवश्यक पाद–टिप्पणी, संदर्भ–उल्लेख स्वाभिमतयुक्त उपसंहार

(ग) उपसंहार : भाषा–शिल्प के प्रति सजगता, परिशिष्ट, अकारादि–क्रमानुसार सहायकग्रन्थ–सूची।

3.2 प्रबन्धसार–लेखन : लघु भूमिका, प्रबन्धाध्यायों का संक्षेपण, मौलिक उद्भावनाओं का स्पष्ट उल्लेख, उपसंहार (कार्य की सार्थकता का ज्ञापन)

4 शोध और कम्प्यूटर प्रायोगिकी

4.1 शोध में कम्प्यूटर की उपयोगिता

4.2 कम्प्यूटर प्रायोगिकी

सहायक ग्रन्थ–

1. अनुसंधान का स्वरूप – डा0 सावित्री सिन्हा
2. अनुसंधान की प्रक्रिया – डा0 सावित्री सिन्हा, डा0 विजयेन्द्र स्नातक
3. अनुसंधान और आलोचना – डा0 नगेन्द्र

4.	हिन्दी के स्वीकृत शोधप्रबन्ध	– डा0 उदयभानु सिंह
5.	शोधप्रक्रिया एवं विवरणिका	– डा0 सरनाम सिंह शर्मा
6.	शोध प्रविधि	– डा0 विनय मोहन शर्मा
7.	शोध प्रविधि और प्रक्रिया	– डा0 चन्द्रभान रावत
8.	शोध और समीक्षा	– डा0 सुरेशचन्द्र गुप्त
9.	शोध और समीक्षा	– डा0 रामगोपाल शर्मा 'दिनेश'
10.	हिन्दी अनुसंधान का स्वरूप	– डा0 भ0 ह0 राजूरकर
11.	हिन्दी अनुसंधान के आयाम	– डा0 भ0 ह0 राजूरकर, डा0 राजमल बोरा
12.	अलखबानी	– सं0 डा0 रिज़वी तथा डा0 शैलेश ज़ैदी
13.	भक्तमाल : पाठानुशीलन एवं विवेचन	– डा0 नगेन्द्र झा

पी-एच0डी0
भक्तिकालीन हिंदी काव्य HNR-103

इकाई 1 भक्ति और दर्शन

1.1 भक्ति की अवधारणा; भक्ति का उद्‌भव और विकास

1.2 अद्वैत दर्शन और प्रमुख दार्शनिक संप्रदाय (शुद्धाद्वैत, विशिष्टाद्वैत, द्वैताद्वैत, द्वैतवाद)

1.3 इस्लामी एकेश्वरवाद और सूफ़ीमत

1.4 अध्यात्मवाद और रहस्यवाद

इकाई 2 भक्तिकाव्य की भावभूमि

2.1 लोकोन्मुखता, अस्वीकार, समन्वय

2.2 प्रेमानुभूति के विविध आयाम

2.3 गुरु की महत्ता; स्त्री के प्रति दृष्टिकोण

2.4 अस्मिता का प्रश्न और मानवीयता

इकाई 3 प्रमुख काव्य-रूप और काव्य-भाषा

3.1 प्रबंध, मुक्तक, गीति

3.2 (क) दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया, सोरठा, बरवै

(ख) पद, साखी, सबद

3.3 अन्योक्ति, समासोक्ति, प्रतीक-विधान, कथानक-रूढ़ियाँ

3.4 भाषिक पक्ष : लोकभाषा का आग्रह, दृष्टांत एवं उपमान-योजना, उलटबाँसी एवं सन्ध्या-भाषा

इकाई 4 भक्ति काव्य : प्रमुख दृष्टियाँ एवं अवधारणाएँ

4.1 रामचंद्र शुक्ल

4.2 हजारीप्रसाद द्विवेदी

4.3 रामविलास शर्मा

4.4 प्रमुख अवधारणाएँ : अनहद, लीला, अवतार, वर्णाश्रम, रामराज्य, कलियुग, अनुग्रह, सत्संग, हठयोग, अष्टांग-योग, पंचतत्त्व, आज्ञाचक्र, सहस्रदलकमल, मुक्ति, ज्ञान, अनभै-साँचा

सहायक पुस्तकें

भक्तिकालीन सांस्कृतिक चेतना में रहीम का योगदान : आरिफ़ नज़ीर
कबीर के काव्यस्वरूप : डॉ. नज़ीर मुहम्मद
आगम और कबीर : डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा
भक्ति आंदोलन : इतिहास और संस्कृति : कुँवरपाल सिंह
भक्तिकाव्य : प्रासंगिक प्रश्न : डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा
मध्ययुगीन प्रमुख सूफ़ी प्रमाख्यान काव्यों की भाषा : डॉ. शिवकुमार शाण्डिल्य
इत्यादि

पी-एच0डी0
वैकल्पिक प्रश्नपत्र HNR-105
आधुनिक हिंदी कविता

इकाई 1 आधुनिकता की अवधारणा

1.1 19वीं शती का उत्तरार्ध : औद्योगिक विकास, शहरीकरण और सामाजिक ढाँचे में परिवर्तन
1.2 व्यक्ति, समाज और इतिहास
1.3 परंपरा और आधुनिकता
1.4 आधुनिकता और आधुनिकता-बोध

इकाई 2 आधुनिक कविता की भाव-भूमि

2.1 मनुष्य केंद्रिकता, राष्ट्र-भावना
2.2 आदर्श, रोमान और यथार्थ
2.3 व्यक्तिपरकता, वैयक्तिकता और व्यक्तिवाद
2.4 मानववाद, नव-मानववाद और मानवीय अस्मिता
2.5 असंतोष, मोहभंग, विद्रोह और मुक्ति की आकांक्षा

इकाई 3 आधुनिक कविता की रूप-चेतना

3.1 वस्तु और रूप
3.2 पारंपरिक छंद-ग्रहण, परिवर्तन और अस्वीकार; गीत के विभिन्न रूप
3.3 मुक्तछंद और छंदमुक्त कविता
3.4 प्रबंधात्मक कविता और लंबी कविता
3.5 बिंब, प्रतीक, मिथक और फैंटेसी

इकाई 4 काव्य-भाषा

4.1 काव्य-भाषा के रूप में खड़ी बोली
4.2 इतिवृत्तात्मकता, लाक्षणिकता, बिंबात्मकता, व्यंग्यात्मकता
4.3 काव्य-भाषा चिंतन : छायावाद; प्रगतिवाद, तार सप्तक
4.4 सपाट बयानी, जन-भाषा, भदेसपन

पी-एच0डी0
हिंदी कथा-साहित्य HNR-106

इकाई 1 राष्ट्रीय नवजागरण, आधुनिकता और कथा-साहित्य

1.1 नवजागरण, औद्योगीकरण, आधुनिक शिक्षा-व्यवस्था, मध्यवर्ग का उदय, पत्र-पत्रिकाएँ, धार्मिक एवं सामाजिक सुधारवादी आन्दोलन और हिंदी कथा-साहित्य

1.2 आधुनिकता और आधुनिकता-बोध

1.3 गद्य विधा के रूप में उपन्यास का वैशिष्ट्य

1.4 कहानी का तात्त्विक विवेचन

इकाई 2 हिंदी कथा-साहित्य : कथ्य के आयाम

2.1 सुधारवाद, स्वच्छंदतावाद और क्रांतिकारी स्वच्छंदतावाद

2.2 यथार्थवाद : आलोचनात्मक यथार्थवाद, समाजवादी यथार्थवाद, अतियथार्थवाद

2.3 मनोवैज्ञानिकता और मनोविश्लेषणवाद

2.4 स्त्री-विमर्श और दलित-विमर्श

इकाई 3 हिन्दी उपन्यास : विविध रूप

3.1 घटना प्रधान उपन्यास

3.2 ऐतिहासिक उपन्यास

3.3 सामाजिक उपन्यास

3.4 मनोविश्लेषणवादी उपन्यास

3.5 आंचलिक एवं ग्रामोन्मुखी उपन्यास

इकाई 4 हिन्दी कहानी

4.1 आधुनिक हिंदी कहानी की पहचान के आधार

4.2 कहानी के रूप : घटना प्रधान, चरित्र-प्रधान, मनोवैज्ञानिक, आंचलिक

4.3 प्रमुख परंपराएँ : प्रेमचंद परंपरा, प्रसाद परंपरा

4.4 प्रमुख आंदोलन : नयी कहानी, अकहानी, जनवादी कहानी

4.5 कहानी की शिल्पविधि का विकास

पी-एच0डी0
हिंदी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ HNR-108

इकाई 1 गद्य विधाओं का विकास

1.1 आधुनिकता की अवधारणा
1.2 मध्यवर्ग का उदय यथार्थ-बोध और गद्य का उद्‌भव
1.3 गद्य-विधाओं के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका
1.4 नवजागरण, सुधारवाद और हिंदी गद्य का विकास
1.5 स्वाधीनता-संघर्ष, लोकतांत्रिक चेतना और गद्य-विधाओं की प्रौढ़ता

इकाई 2 निबंध

2.1 निबंध : अवधारणा, आवश्यकता, सरोकार और महत्त्व
2.2 निबंध का स्वरूप : भूमिका, विषयवस्तु-प्रतिपादन, उपसंहार, क्रमबद्धता, तर्कसंगतता, तारतम्यता, प्रवाहमयता
2.3 शैली : विचारात्मक, वर्णनात्मक, भावात्मक, गवेषणात्मक, व्यंग्यात्मक
2.4 निबंधकार का व्यक्तित्व और शैली
2.5 हिंदी निबंध का विकासात्मक परिचय

इकाई 3 कथात्मक गद्य विधाएँ

3.1 कथा तत्त्व का आशय और उसकी लोकप्रियता के कारण; विभिन्न गद्य-विधाओं में कथा-तत्त्व की उपयोगिता
3.2 आत्मकथा : विधागत वैशिष्ट्य और हिंदी साहित्यकारों की आत्मकथा का विवेचन
3.3 जीवनी : विधागत वैशिष्ट्य और हिंदी साहित्यकारों द्वारा लिखित जीवनियों का विवेचन
3.4 संस्मरण : विधागत वैशिष्ट्य और उपलब्धियाँ
3.5 रेखाचित्र : विधागत वैशिष्ट्य और उपलब्धियाँ

इकाई 4 कथेतर गद्य विधाएँ (केवल साहित्यिक)

3.1 पत्र : विधागत वैशिष्ट्य और साहित्यकारों के पत्र-साहित्य का विवेचन
3.2 यात्रावृत्तांत : विधागत वैशिष्ट्य और उपलब्धियाँ
3.3 रिपोर्ताज : विधागत वैशिष्ट्य और रिपोर्ताज-साहित्य का परिचय
3.4 डायरी : विधागत वैशिष्ट्य और डायरी-साहित्य का परिचय
3.5 साहित्यिक विधा के रूप में उपरोक्त का महत्त्व

सहायक पुस्तकें

हिंदी निबंध-साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन	:	बाबूराम
हिंदी का गद्य साहित्य	:	रामचन्द्र तिवारी
हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकार	:	द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
हिंदी गद्य : विन्यास और विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
निबंधकार हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	विजयबहादुर सिंह
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के समीक्षा-सिद्धांत	:	शिवनाथ
गद्य की नयी विधाओं का विकास	:	माजदा असद
काव्य के रूप	:	गुलाब राय
विविध	:	कैलाशचंद्र भाटिया
साहित्य शास्त्र	:	ऑस्टेन वॉरेन
हिंदी साहित्य की नयी विधाएँ	:	कैलाशचंद्र भाटिया
हिंदी साहित्य कोश	:	धीरेंद्र वर्मा
देश के इस दौर में	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
परसाई की पारसाई	:	राजेश कुमार

पी-एच0डी0
हिंदी पत्रकारिता HNR-109

इकाई 1 पत्रकारिता के विविध संदर्भ, आयाम और नवजागरण (आदि से 1900)

1.1 मुद्रण यंत्र का आविष्कार, मुद्रित शब्द और मुद्रण
1.2 आलोचना : अर्थ और स्वरूप : भारतीय तथा पाश्चात्य संदर्भ
1.3 आलोचना : विज्ञान अथवा कला
1.4 आलोचना प्रक्रिया : आलोचना और आधारभूत कृतियाँ
1.5 आलोचक में अपेक्षित गुण

इकाई 2 हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास

2.1 उद्‌भव : रीतिकालीन काव्य शास्त्र और हिंदी आलोचना
2.2 आलोचना का विकास : भारतेंदु युगीन आलोचना, भारतेंदु, हरिश्चन्द्र, पं0 बाल कृष्ण भट्‌ट, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
2.3 द्विवेदी युगीन आलोचना - आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्रबंधु और पद्‌मसिंह शर्मा
2.4 शुक्ल युगीन आलोचना : आचार्य शुक्ल की समीक्षा पद्धति
2.5 आचार्य शुक्ल की व्यावहारिक समीक्षा - गोस्वामी तुलसीदास, जायसी ग्रंथावली और भ्रमरगीत सार

इकाई 3 शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना

3.1 शुक्लानुवर्ती सैद्धांतिक समीक्षा
3.2 स्वच्छन्दतावादी समीक्षा - नंददुलारे वाजपेयी, प्रसाद पंत, निराला, महादेवी का चिंतन
3.3 मार्क्सवादी समीक्षा - डा0 रामविलास शर्मा, मुक्तिबोध, नामवर सिंह
3.4 मनोविश्लेषणवादी समीक्षा - इलाचन्द्र जोशी, अज्ञेय, डा0 देवराज
3.5 समष्टि-प्रधान समीक्षा -हजारी प्रसाद द्विवेदी, डा. नगेन्द्र
3.6 नयी समीक्षा - अज्ञेय, लक्ष्मीकांत वर्मा, धर्मवीर भारती, मूल्य और मान

पी-एच0डी0
वैकल्पिक प्रश्नपत्र HNR-111
हिंदी भाषा और उसकी संरचना

इकाई 1 हिंदी भाषा : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

1.1 अपभ्रंश, अवहट्ठ और पुरानी हिंदी
1.2 हिंदी ध्वनियों का विकासात्मक अध्ययन
1.3 संयोगात्मक और वियोगात्मकता से अभिप्राय और हिंदी भाषा की प्रकृति
1.4 हिंदी भाषा की प्रमुख व्याकरणिक विशेषताएँ
1.5 हिंदी भाषा की प्रयुक्तियों का सामान्य परिचय

इकाई 2 हिंदी भाषा की शब्द-संरचना

2.1 हिंदी की शब्द-रचना : रूढ़, यौगिक, योगरूढ़
2.2 संधि, समास; उपसर्ग, प्रत्यय (संस्कृत, फ़ारसी, अरबी और हिंदी)
2.3 अर्थ-विकास
2.4 आगत शब्दावली और कोड-मिश्रण
2.5 विभिन्न प्रयुक्तियों के लिए शब्द-निर्माण : दशा और दिशा
2.6 शब्द और संस्कृति

इकाई 3 हिंदी भाषा की वाक्य-संरचना

3.1 पद, पदक्रम, पदान्वय
3.2 सरल, संयुक्त और मिश्र वाक्य
3.3 तान, अनुतान, लय, स्वराघात, बलाघात
3.4 प्रभावी वाक्य-रचना और मुहावरे
3.5 विशिष्ट सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ और वाक्य-गठन

इकाई 4 हिंदी भाषा : व्यावहारिक प्रयोग

4.1 कथात्मक, वर्णनात्मक, विवेचनात्मक, आलोचनात्मक, गवेषणात्मक एवं सर्जनात्मक भाषा
4.2 काव्य-भाषा और गद्य-भाषा
4.3 आलोचना की भाषा (व्यावहारिक प्रयोग)
4.4 शोध की भाषा (व्यावहारिक प्रयोग)

पी-एच0डी0

HNR-112

साहित्यानुवाद

इकाई 1 अनुवाद - स्वरूप और महत्व

1.1 वैश्वीकरण युग में अनुवाद

1.2 परिभाषाएँ और उनकी व्याख्याएँ

1.3 अनुवाद - कला है, या विज्ञान ?

1.4 अनुवाद के प्रकार - गद्य-पद्य के आधार पर, अनुवाद की प्रकृति के आधार पर, प्रतीकांतर एवं ज्ञान के आधार पर

इकाई 2 अनुवाद - विज्ञान का परिप्रेक्ष्य

2.1 अनुवाद के उपकरण

2.2 भाषा-विज्ञान एवं अनुवाद

2.3 पारिभाषिक शब्दावली

2.4 शब्दकोश एवं साहित्यकोश

इकाई 3 अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ

3.1 अनुवाद के विविध क्षेत्र

3.2 मानविकी अनुवाद की समस्याएँ

3.3 संस्कृत और अनुवाद

3.4 राष्ट्रीय एकता और बहुभाषी समाज

इकाई 4 सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद

4.1 सृजनात्मक साहित्य और विधागत वैशिष्ट्य

4.2 कथा-साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ

4.3 काव्यानुवाद

4.4 नाट्यानुवाद

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद-विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद विज्ञान : सं. नगेन्द्र
3. अनुवाद सैद्धांतिकी : प्रदीप सक्सेना
4. काव्यानुवाद की समस्याएँ : नगीन चंद्र सहगल
5. 'अनुवाद' पत्रिका का शताब्दी विशेषांक
6. हिंदी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : आरिफ़ नज़ीर
7. अनुवाद सिद्धांत और स्वरूप : आरिफ़ नज़ीर
8. प्रयोजनमूलक प्रशासनिक हिंदी : डॉ. दिनेश चमोला 'शैलेश'
9. अनुवाद और अनुप्रयोग : डॉ. दिनेश चमोला 'शैलेश' इत्यादि

पी-एच0डी0

HNR-104

रीतिकालीन हिन्दी काव्य

इकाई 1 नामकरण एवं बाल निर्धारण

1.1 रीतिकाल : नामकरण और काल निर्धारण
1.2 परिस्थितियाँ और परिवेश
1.3 उपलब्ध सामग्री और उसका वर्गीकरण
1.4 प्रवृत्ति-विश्लेषण

इकाई 2 लक्षण एवं प्रवृत्तियाँ

2.1 रीतिशब्द की व्याख्या और रीतिकाव्य के लक्षण
2.2 रीतिकाव्य की मूल-प्रवृत्तियाँ
2.3 रीतिकाव्य की इतर-प्रवृत्तियाँ
2.4 रीतिकालीन कवियों का वर्गीकरण

इकाई 3 धाराएँ एवं कवि

3.1 रीतिबद्ध कवि
3.2 रीतिमुक्त कवि
3.3 रीतिसिद्ध कवि
3.4 अन्य कवि : आलोचना

इकाई 4 शृंगार रस - उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ

4.1 रीतिकालीन काव्य में व्यक्त शृंगार रस का स्वरूप
4.2 नायक-नायिक भेद
4.3 रीतिकाव्य की उपलब्धियाँ
4.4 रीतिकाव्य की परंपरा, प्रभाव

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी-साहित्य का इतिहास : आचार्य शुक्ल
2. चिंतामणि भाग-1, 2 : आचार्य शुक्ल
3. रीतिकाव्य की भूमिका : आचार्य नगेन्द्र
4. साहित्य और इतिहास-दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
5. हिंदी-आलोचना का सैद्धांतिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल

इत्यादि

पी-एच0डी0

HNR-107

हिन्दी नाटक

इकाई 1 नाटक का रचना विधान

1.1 नाट्य संरचना का भारतीय परिप्रेक्ष्य
1.2 नाट्य संरचना का पाश्चात्य परिप्रेक्ष्य
1.3 नाटक का स्वरूप और प्रकार
1.4 हिन्दी नाटक का उद्‌भव

इकाई 2 भारतेन्दु हरिश्चंद्र और नाटक का प्रथम चरण

2.1 भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनका युग
2.2 भारतेन्दु के नाटक : वस्तु और रूप
2.3 भारत दुर्दशा और अंधेर नगरी
2.4 अनूदित नाटकों का परिप्रेक्ष्य : भारतेन्दु

इकाई 3 राष्ट्रीय आंदोलन और नाटक का प्रसाद युग

3.1 भारतीय नवजागरण और जयशंकर प्रसाद
3.2 प्रसाद के नाटकों का स्वरूप
3.3 इतिहास और कल्पना का द्वंद्व : प्रसाद के नाटक
3.4 चंद्र गुप्त और ध्रुव स्वामिनी

इकाई 4 प्रसादोत्तर उपब्धियाँ

4.1 समस्या नाटक
4.2 गीति नाट्य
4.3 आधुनिक सांस्कृतिक नाटक
4.4 एकांकी का विकास

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी का गद्य-साहित्य : रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा
3. हिंदी-साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी-साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेन्द्र
5. समकालीन हिंदी नाटककार : श्रीमती गिरीश रस्तोगी
6. राष्ट्रीयता और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : आरिफ़ नज़ीर
7. राष्ट्रीय नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता : डॉ. मीरारानी बल

इत्यादि

पी-एच0डी0

HNR-114

हिन्दी आलोचना

इकाई 1 प्रस्थान और प्रकृति

1.1 भारतेन्दु और उनके मण्डल के आलोचक
1.2 सैद्धांतिक सामग्री और व्यावहारिक परिदृश्य
1.3 साहित्येतिहास लेखन का आरंभिक चरण
1.4 पुस्तक समीक्षाएँ

इकाई 2 विकास और उत्कर्ष

2.1 आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
2.2 बाबू श्यामसुंदर दास और बाबू गुलाब राय
2.3 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2.4 आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान

इकाई 3 विस्तार और गहराई-प्रथम

3.1 छायावादी आलोचना
3.2 आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
3.3 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3.4 डॉ. नगेन्द्र

इकाई 4 विस्तार और गहराई-द्वितीय

4.1 मार्क्सवादी आलोचना
4.2 मनोविश्लेषणवादी आलोचना
4.3 डॉ. रामविलास शर्मा
4.4 मुक्तिबोध
4.5 डॉ. नामवर सिंह

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी-आलोचना का विकास : नन्द किशोर नवल
3. हिन्दी-साहित्य का इतिहास : आचार्य शुक्ल
4. हिन्दी वाङ्मय : बीसवीं शती : (संपा.) डॉ. नगेन्द्र - विश्वम्भरनाथ उपाध्याय
5. हिंदी-आलोचना का सैद्धांतिक आधार : कृष्णदत्त पालीवाल
6. राष्ट्रीयता और भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : आरिफ़ नज़ीर
7. निराला के कथा साहित्य में स्वच्छंदतावादी तत्त्व : डॉ. आशिक़ बालौत
8. कॉलरिज और उनका साहित्य शास्त्र : डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव
9. पाश्चात्य समीक्षा के चार सूत्रधार : डॉ. उदयशंकर श्रीवास्तव
10. आद्यबिम्ब और साहित्यालोचन : डॉ. कृष्णमुरारि मिश्र
11. मुक्तिबोध की आलोचना प्रक्रिया : डॉ. रमेश रावत
12. 1857 और नवजागरण के प्रश्न : डॉ. प्रदीप सक्सेना

इत्यादि

पी-एच0डी0 कोर्स वर्क
हिंदी पत्रकारिता
कोड : HNR-109

इकाई 1 हिंदी पत्रकारिता का आरंभ और विकास

1.1 प्रारंभिक हिंदी पत्रकारिता

1.2 समाज-सुधार आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता

1.3 भारतेंदुयुगीन हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप

1.4 उन्नीसवीं सदी कभ् प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँउदंत मार्तंड, बंगदूत, भारतमित्र, उचित वक्ता, कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप

1.5 उन्नीसवीं सदी के प्रमुख पत्रकार एवं संपादकभारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्ट, प्रतापनारायण मिश्र

इकाई 2 राष्ट्रीय मुक्ति-आंदोलन और हिंदी पत्रकारिता

2.1 बीसवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप

2.2 गांधी युग की हिंदी पत्रकारिता

2.3 राष्ट्रीय आंदोलन और सामाजिक-सांस्कृतिक समस्याओं के प्रति पत्रकारिता का रवैया

2.4 राष्ट्रीय मुक्ति-आंदोलन : प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ - सरस्वती, इंदु, मतवाला, विशाल भारत, प्रताप, स्वतंत्र, हंस

2.5 राष्ट्रीय मुक्ति-आंदोलन के दौर के प्रमुख पत्रकार एवं संपादक - महावीर प्रसाद द्विवेदी, बालमुकुंद गुप्त, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी

इकाई 3 स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी-पत्रकारिता

3.1 आज़ादी के बाद देश के समक्ष चुनौतियाँ और हिंदी पत्रकारिता

3.2 स्त्री तथा दलित मुद्दे और हिंदी पत्रकारिता

3.3 लघु पत्रिका आंदोलन

3.4 समकालीन परिदृश्य और हिंदी पत्रकारिता

3.5 प्रमुख साहित्यिक पत्रिकाएँधर्मयुग, हिंदुस्तान, सारिका, हंस, रविवार, दिनमान

सहायक पुस्तकें :

1. पत्रकारिता के नए आयाम - एस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन
2. पत्रकारिता मिशन से मीडिया तक - अखिलेश मिश्र, राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी पत्रकारिता - डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, लोक भारती प्रकाशन
4. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी पत्रकारिता - सं. सुधीश पचौरी/अचला शर्मा, राजकमल
5. इक्कीसवीं सदी और हिंदी पत्रकारिता - सं. अमरेंद्र कुमार, सामयिक प्रकाशन
6. हिंदी के प्रमुख समाचार-पत्र और पत्रिकाएँ (4 खंड), सं. अच्युतानंद मिश्र, सामयिक प्रकाशन
7. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा - आलोक मेहता, सामयिक प्रकाशन
8. सिर्फ पत्रकारिता - अजय कुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन